रणजीत टाइम्स

इंदौर

शुक्रवार, 10 अक्टूबर, 2025

वर्ष 01 | अंक 251 | कुल पृष्ठ : 8 | Digital

RNI-NO.MPHIN/2015/64585

प्रधान संपादक : गोपाल गावंडे

भगवान श्रीकृष्ण की स्मृतियों को संजोने में कोई कसर नहीं छोड़ेंगे

● मुख्यमंत्री बोले-श्रीकृष्ण गुरुकुल शिक्षा यात्रा ज्ञान-संस्कार और भक्ति का अद्भुत संगम

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने श्रीकृष्ण गुरुकुल शिक्षा यात्रा में शामिल सभी संतों, तीर्थ पुरोहित महासंघ, धर्म यात्रा महासंघ और विश्व हिंदू परिषद का अभिनंदन करते हुए कहा कि आज उज्जैन एक अद्भुत क्षण का साक्षी बन रहा है।

यात्रा में सम्मिलित सभी सहभागी उस मार्ग पर चलकर आए हैं, जिस पर हमारे आराध्य श्रीकृष्ण शिक्षा ग्रहण करने के लिए मथुरा से उज्जैन स्थित आचार्य सांदीपनी के आश्रम पधारे थे। संतगण को उस पावन मार्ग से गुजरने का अवसर मिला, जहां श्रीकृष्ण की चरणरज पड़ी थी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव मथुरा से आरंभ श्रीकृष्ण गुरुकुल शिक्षा यात्रा के उज्जैन में आयोजित समापन समारोह को भोपाल स्थित मुख्यमंत्री निवास से वर्चुअली संबोधित कर रहे थे। उल्लेखनीय है कि मथुरा से 5 अक्टूबर को आरंभ हुई यात्रा जयपुर, कोटा, झालावाड़ और आगरा होते हुए उज्जैन पहुंची थी।

दुग्ध उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए प्रदेश में बनेंगे वृंदावन गांव

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि श्रीकृष्ण गुरुकुल शिक्षा यात्रा ज्ञान, संस्कार और भक्ति का अद्भुत संगम है। यह यात्रा नई पीढ़ी में नैतिकता, आत्मविकास और भारतीय संस्कृति का दीप प्रज्जवलित करने का प्रयास है। राज्य सरकार भगवान श्रीकृष्ण की स्मृतियों को संजोने का कार्य कर रही है। श्रीकृष्ण की शिक्षा स्थली उज्जैन, श्रीकृष्ण और सुदामा का मैत्री स्थल ग्राम नारायणा, रूक्मिणी वरण के स्थल धार जिले के अमझेरा और विनम्रता का संदेश देने वाले स्थल जानापाव (इंदौर) को तीर्थ के रूप में विकसित किया जाएगा। श्रीकृष्ण पाथेय के मार्ग पर आने वाले वन, जल संरचनाओं और उद्यानों का भी संरक्षण किया जाएगा। प्रदेश में दुग्ध उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए वृंदावन गांव बनाने का निर्णय लिया गया है। राज्य में गीता जयंती भी मनाई जाएगी।

- सिंहस्थ-2028 का आयोजन अद्वितीय वैभव के साथ होगा- मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि उज्जैन में वेद-वेदान्त विश्वविद्यालय की स्थापना की जाएगी। अमझेरा में चित्रकला, मूर्तिकला और पारम्परिक नृत्य-संगीत कला की शिक्षा दी जाएगी तथा इसे श्रीकृष्ण-रूक्मणी लोक के नाम से जाना जाएगा। जानापाव में सुदर्शन लोक की स्थापना की जाएगी, जहां आयुध कौशल के साथ-साथ पारम्परिक और आधुनिक युद्ध शैली का ज्ञान दिया जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहाकि सिंहस्थ-2028 का आयोजन अद्वितीय वैभव के साथ होगा।

शेष खबर पृष्ठ क्रमांक 5 पर

करवा चौथ विशेष

जीवन की जटिलताओं को आसान बनाता है-सहज योग

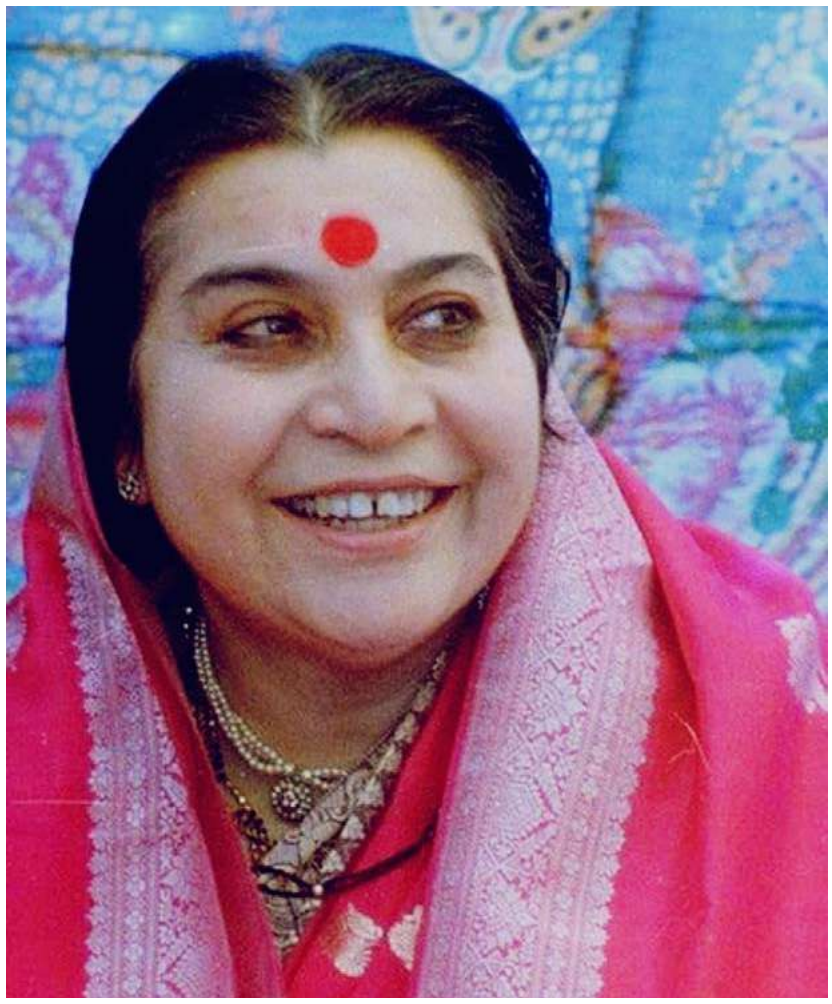

जीवन है तो उतार चढ़ाव आते ही रहेंगे, यही उतार चढ़ाव जीवन को अर्थपूर्ण बनाता है। कभी कहीं कोई बाधा आये तो उस बाधा से निकलने का दौर सकारात्मक दृष्टिकोण वालों के लिए रोमांचक होता है और बाधा से मुक्त होते ही मिलती है आत्मिक संतुष्टि और जीतने की खुशी। परंतु सत्य तो यह है कि जीवन में आने वाली इन जटिलताओं को सहजता से लेना तभी संभव होगा जब हम संतुलन में हों। जरा सी तकलीफ होते ही घबरा जाने की प्रवृत्ति हमारी परेशानी को और बढ़ा देती है फलस्वरूप समस्या का समाधान मिलना मुश्किल हो जाता है। आज के दौर में जब समाज व विश्व में अशांति की स्थिति बनी हुई है तब इन सबसे तटस्थ रह पाना मुश्किल हो जाता है। पर, हमें समाज और विश्व की समस्याओं पर विचार करते हुए भी, उन समस्याओं का हिस्सा होते हुये भी मनस्थिति पर काबू पाने का गुर आना चाहिए। यह आज के दौर की आवश्यकता है। यदि हम स्वयं पर काबू नहीं रख पाते हैं तो स्वयं भी दुखी रहेंगे और परिवार को भी नहीं संभाल पायेंगे। परिवार के सभी सदस्य को सहज योग विधा को सीखना चाहिए ताकि जीवन के हर पड़ाव पर शांति से रह सके। प्रसन्नता और शांति अपने अंदर ही है तो उसकी तलाश में भागना क्यों? हम स्वयं अपनी प्रसन्नता के उद्गम हैं, हमारे अंदर से ही चैतन्य का स्त्रोत प्रवाहित होता है जिससे हम परमेश्वरी शक्ति का आभास पाते हैं।

ज्यादातर लोग यह जानते हैं कि परमात्मा का निवास हमारे अंदर है पर इसका अनुभव नहीं कर पाने से वे असमंजस की स्थिति में रहते हैं। सहज योग की संस्थापिका परम पूज्य श्री माताजी निर्मला देवी ने कुंडलिनी जागरण और ध्यान योग की इस विधा को जन जन तक पहुंचाने का संकल्प लिया और साधकों को आत्मसाक्षात्कार देकर अपने अंदर की ईश्वरीय शक्ति का आभास कराया। आज लाखों लोग सहज योग के माध्यम से ध्यान करते हुये निश्चिन्त शांतिपूर्ण जीवन जी रहे हैं।

24 सितंबर 1995 के प्रवचन में श्री माताजी ने कहा कि

"सहज योग से ये सभी छोटी-छोटी समस्याएं आसानी से हल हो सकती हैं। लेकिन एक बात यह है कि आपको एक व्यक्ति के रूप में एकजुट होकर काम करना चाहिए, एक संघ का अभिन्न अंग। और यह भी समझने की कोशिश करें कि आप अपनी समस्याओं को कैसे हल कर सकते हैं... ऐसी बहुत सी चीजें हैं जिनके बारे में आप सोच सकते हैं क्योंकि अब आप आत्मसाक्षात्कारी आत्मा हैं क्योंकि ईश्वर की मदद है और साथ ही आप खुद भी बहुत सतर्क हो गए हैं।" संघ से श्री माताजी का तात्पर्य सहज योग की सामुहिकता से है। भारत व विदेशों में भी किये गये चिकित्सा शोध ने यह दर्शाया है कि सहज योग के माध्यम से शारीरिक और मनोदैहिक रोगों से मुक्ति पाई जा सकती है। हम परमात्मा से जुड़े बिना अपने जीवन का अर्थ नहीं जान सकते हैं। जैसे हमें अपने जीवन का अर्थ समझ में आ जायेगा, हमारे जीवन में पूर्णकालिन वसंत का प्रवेश हो जायेगा। हर जटिलता को सही समाधान मिलेगा। चलिये सहज योग से जुड़ते हैं। सहज योग निशुल्क भी है और आसान भी सहजयोग ध्यान केंद्र की जानकारी हेतु टोल फ्री नंबर 1800 2700 800 पर संपर्क कर सकते हैं।

संजय प्रेम जोशी

भारत तिब्बत समन्वय संघ के राष्ट्रीय अधिवेशन जप तप जोधपुर में हुआ। जिसने मालवा प्रांत के महामंत्री निर्माण सोलंकी को राष्ट्रीय सह मंत्री बनाये जाने पर मालवा प्रांत संयोजक श्री कैलाश मानसरोवर मुक्ति महासंकल्प पत्र अभियान के मनोज जोशी ने देवास जाकर श्री निर्माण जी सोलंकी का स्वागत किया। स्वागत करने वालों जिला अध्यक्ष आनंद सिंह ठाकुर,जिला कोषाध्यक्ष विनोद जेन,जन परिषद हाटपीपल्या चैप्टर अध्यक्ष संजय प्रेम जोशी,महावीर जैन सुवासरा वाले,शैलेंद्र महाजन, राकेश जोशी,गौरीशंकर हर्षवाल,आदि ने स्वागत कर बधाई दी।

5 क्विंटल 50 किलो प्रतिबंधित धावड़ा गोंद वन विभाग ने जप्त किया लेकिन आरोपी फरार हो गया

संजय प्रेम जोशी

उदय नगर।वन मंडल अधिकारी देवास के मार्गदर्शन में उप मंडल अधिकारी बागली व वन परिक्षेत्र अधिकारी राजेश चौहान के निर्देशन में गुरुवार को 12 बजे के करीब मुखबिर की सूचना पर उदय नगर एवं मगरादेह के मध्य जंगल में संदीप दवाहन को रोककर उसकी जांच की गई जिसमें अवैध रूप से धावड़ा गोंद 5 क्विंटल 50 किलो वन संपदा धावड़ा गोंद 13 अलग-अलग बोरियों में भरकर अवैध परिवहन किया जा रहा था ।इस दौरान वन विभाग की टीम द्वारा आरोपी रजत पिता सतीश यादव से संबंधित गोंद परिवहन के वैध दस्तावेज मांगे लेकिन तस्कर यादव द्वारा कोई दस्तावेज प्रस्तुत नही किये । इसलिए गोंद के इस परिवहन को अवैध परिवहन की श्रेणी में माना गया वन विभाग टीम द्वारा वन संपदा अधिनियम के तहत प्रकरण बनाने की बात कही तो मौका पाकर वहां की चाबी देते हुए संबंधित आरोपी जंगल में भागगया वन विभाग की टीम द्वारा उक्त परिवहन में उपयोग आने वाले वाहन को वन परिक्षेत्र कार्यालय उदयनगर लाकर खड़ा करवाया साथ में संबंधित आरोपी के विरुद्ध वन अपराध प्रकरण पंजीबद्ध किया गया उक्त कार्यवाही में क्षेत्रीय रेंजर उषा रावत मनोज खेरवाल वनरक्षक धर्मेन्द्र यादव वनरक्षक प्रदीप सिसोदिया एवं सुरक्षा श्रमिक राठौर का सहयोग रहा। इस संबंध में महिला डिप्टी रेंजर अधिकारी उषा रावत ने बताया कि वहां को रोकने समय वन विभाग स्टाफ की संख्या कम होने की वजह से मौका देखकर संबंधित व्यक्ति जंगलों में भाग गया खबर लिखे जाने तक उसकी गिरफ्तारी नहीं हो पाई है।

हाईकोर्ट ने लिटिल वंडर्स कॉन्वेंट स्कूल के निर्णय को सही ठहराया

इंदौर। मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय, इंदौर खंडपीठ ने लिटिल वंडर्स कॉन्वेंट स्कूल के एक छात्र को अनुशासनहीनता के कारण 10वीं कक्षा में प्रवेश न देने के स्कूल के निर्णय को बरकरार रखा है। न्यायमूर्ति प्रणय वर्मा की एकल पीठ ने याचिका क्रमांक 22258/2025 में विस्तृत आदेश पारित करते हुए याचिकाकर्ता की याचिका खारिज कर दी। मामले में याचिकाकर्ता के पुत्र पर सोशल मीडिया पर स्कूल और शिक्षकों के विरुद्ध अपमानजनक व धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुँचाने वाले मीम्स पोस्ट करने के गंभीर आरोप थे। स्कूल की अनुशासन समिति की जांच में छात्र ने अपनी गलती स्वीकार की थी। इसके बाद स्कूल ने उसे आगे पढ़ने की अनुमति न देने का निर्णय लिया। याचिकाकर्ता ने राज्य बाल अधिकार आयोग के आदेश के आधार पर स्कूल के निर्णय को चुनौती दी थी। परंतु न्यायालय ने स्पष्ट किया कि आयोग के आदेश केवल सलाहकारी प्रकृति के होते हैं, बाध्यकारी नहीं। प्रतिवादी क्रमांक 5 लिटिल वंडर्स कॉन्वेंट स्कूल की ओर से *अधिवक्ता तरंग चेलावत, अधिवक्ता मानसी जैन ने पक्ष रखते हुए स्कूल के निर्णय का समर्थन किया। न्यायालय ने यह माना कि विद्यालय को अनुशासन बनाए रखने के लिए ऐसे निर्णय लेने का पूर्ण अधिकार है और इस मामले में स्कूल का रुख न तो अवैध है और न ही मनमाना।

राजेश धाकड़

रंजीत टाइम्स न्यूज़पेपर ने अपने सफल पत्रकारिता के 10 स्वर्णिम वर्ष पूर्ण किए। इस अवसर पर कनाडिया थाना प्रभारी श्री सहर्ष यादव द्वारा रंजीत टाइम्स परिवार को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं प्रेषित की गईं। थाना प्रभारी ने कहा कि "रंजीत टाइम्स ने हमेशा निष्पक्ष, सच्ची और समाजहित की पत्रकारिता की है। ऐसे प्रयास समाज में विश्वास और सकारात्मकता का संचार करते हैं।"

इस अवसर पर रंजीत टाइम्स टीम द्वारा थाना प्रभारी श्री सहर्ष यादव को माँ अहिल्या देवी की सुंदर तस्वीर प्रेमपूर्वक भेंट की गई। यह भावनात्मक क्षण पत्रकारिता और पुलिस प्रशासन के आपसी सहयोग, विश्वास और सौहार्द का प्रतीक रहा। रंजीत टाइम्स के संपादक एवं समस्त टीम ने आभार व्यक्त करते हुए कहा हम समाज की सेवा, सत्य और जनहित के पथ पर निरंतर अग्रसर रहेंगे।"

रंजीत टाइम्स — समाज के साथ, सत्य के पथ पर।

रंजीत टाइम्स न्यूज़पेपर ने अपने सफल पत्रकारिता के 10 स्वर्णिम वर्ष पूर्ण किए। इस अवसर पर पलासिया थाना प्रभारी सुरेंद्र सिंह रघुवंशी द्वारा रंजीत टाइम्स परिवार को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं प्रेषित की गईं। थाना प्रभारी ने कहा कि "रंजीत टाइम्स ने हमेशा निष्पक्ष, सच्ची और समाजहित की पत्रकारिता की है। ऐसे प्रयास समाज में विश्वास और सकारात्मकता का संचार करते हैं।"

इस अवसर पर रंजीत टाइम्स टीम द्वारा थाना प्रभारी श्री सुरेंद्र सिंह रघुवंशी को माँ अहिल्या देवी की सुंदर तस्वीर प्रेमपूर्वक भेंट की गई। यह भावनात्मक क्षण पत्रकारिता और पुलिस प्रशासन के आपसी सहयोग, विश्वास और सौहार्द का प्रतीक रहा। रंजीत टाइम्स के संपादक एवं समस्त टीम ने आभार व्यक्त करते हुए कहा हम समाज की सेवा, सत्य और जनहित के पथ पर निरंतर अग्रसर रहेंगे।" रंजीत टाइम्स, समाज के साथ, सत्य के पथ पर।

बधाई

मीना बाजार: पुरानी परंपरा का पुनर्मूल्यांकन

डॉ बालाराम परमार 'हँसमुख'

देश के अनेक शहरों में प्रति वर्ष लगने वाला ÷मीना बाजार÷ एक ऐसा आयोजन है जिसकी जड़ें क्रूर और सनातन संस्कृति को धूमिल करने वाले मुगल शासकों के इतिहास से जुड़ी है। कालांतर में जिन्हें अक्सर सनातनी परंपरा के रूप में देखा जाता है, लेकिन इसके पीछे की कहानी कुछ और है!!

अकबर की अयास्सी और मीना बाजार का उद्गम

आयने अकबरी में लिखा हुआ मिलता है कि मीना बाजार की शुरुआत मुगल बादशाह अकबर ने की थी। यह आयोजन उनकी अयास्सी (नौरोज़) के लिए आयोजित किया जाता था, जिसमें विभिन्न समुदायों की महिलाएँ और कारीगर अपनी कला और हस्तशिल्प का प्रदर्शन करते थे। यह एक ऐसा मंच था जहां अकबर अपनी प्रजा के साथ संवाद करता था और खूबसूरत स्त्रियों को अपने हरम के जबरदस्ती उठवाता था। इस घिनौनी आदत का उसकी औलादों ने बादस्तुर जारी रखा।

बना राजे रजवाड़ों की शान शौकत

समय के साथ, यह परंपरा हिंदू राजे रजवाड़ों के बीच भी प्रचलित हुई, जिन्होंने इसे अपनी शान और शौकत दिखाने का एक माध्यम बनाया। यह आयोजन उनकी सामाजिक और अंग्रेजों के सामने आर्थिक स्थिति को प्रदर्शित करने का एक तरीका बन गया था।

एक पुनर्मूल्यांकन की आवश्यकता

आज जब हम कुछ शहरों में मीना बाजार का सरकारी खर्चे पर आयोजन को देखते हैं, तो यह जरूरी है कि हम इसके ऐतिहासिक संदर्भ और इसके पीछे के उद्देश्यों की असलियत समझें। इसे सीधे सनातनी परंपरा के रूप में मानने से पहले इसके उद्गम और विकास को समझना आवश्यक है। मुग़ल शासक के पहले मीना बाजार लगने का पौराणिक ग्रंथों में कहीं वर्णन नहीं मिलता है। अलबत्ता देवी-देवता की जात्रा, पंचकोसी परिक्रमा, कांवड़ यात्रा, सिंहस्थ कुंभ मेला जैसे हिन्दू धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम के आयोजन के बारे में जानकारी प्राप्त होती है। हम सब सनातन धर्मियों के लिए 2025-26 संघ शताब्दी वर्ष एक ऐसा अवसर है जब हम अपनी सांस्कृतिक विरासत को तोड़ने की साजिशों को गहराई से समझ सकते हैं और इसके विभिन्न पहलुओं पर शोध एवं बोध परख विचार कर नयी पीढ़ी को आगाह कर सकते हैं।

सांस्कृतिक धरोहर और आधुनिक परिप्रेक्ष्य

मीना बाजार जैसे आयोजन हमारी सनातन सांस्कृतिक धरोहर का हिस्सा नहीं हैं। कुछ सौ वर्षो पहले मुगलों और अंग्रेजों द्वारा शुरू किए गए आयोजनों को आधुनिक परिप्रेक्ष्य में देखने की आवश्यकता है? हमें यह समझना होगा कि कैसे ये परंपराएँ हमारे हिन्दू समाज को प्रभावित करती हैं और कैसे हम इन्हें अपने वर्तमान और भविष्य के संदर्भ में देख सकते हैं!!

मीना बाजार एक ऐसा आयोजन है जो मुग़ल शासक के घिनौने इतिहास और भद्दी संस्कृति के कई पहलुओं को समेटे हुए है। इसे समझने के लिए हमें इसके पीछे की मानसिकता को जानना होगा और इसे एक व्यापक दृष्टिकोण में देखना होगा।

पिछले 100 सालों में संघ प्रवर्तक युग पुरुषों और हिंदू सम्राटों ने आक्रांताओं द्वारा सोची समझी रणनीति के तहत स्थापित अनेक बुराइयों को दूर करके भारतीय समाज को एक आदर्श समाज बनाने का प्रयास किया है और वर्तमान में परम् पूज्य डॉ मोहन भागवत के मार्गदर्शन एवं सानिध्य में अनवरत जारी है। ऐसे हम लेखकों और पत्रकारों का भी धार्मिक और सामाजिक कर्तव्य बनता है कि ÷रज में से भी तज÷ निकाल कर राष्ट्रीय शिक्षा नीति का अंग बनाने का प्रयास करें। ऐसा आग्रह है।

इंदौर शहर के व्यस्ततम मार्गों पर चलने वाले भारी वाहन निर्धारित समयावधि में रहेंगे प्रतिबंधित

कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी श्री वर्मा द्वारा प्रतिबंधात्मक आदेश जारी

इंदौर। कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी शिवम वर्मा द्वारा इंदौर शहर में भार वाहनों के आवागमन को सार्वजनिक सुरक्षा एवं सुविधा को दृष्टिगत रखते हुए शहर की यातायात व्यवस्था सुगम बनाये रखने के लिए प्रतिबंधात्मक आदेश जारी किया गया। जारी आदेशानुसार जिले में मोटरयान नियम-1994 के नियम-215 के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए मोटरयान अधिनियम-1988 की धारा-115 के तहत ट्रक/भार वाहक वाहन शहर में प्रतिबन्धित रहेंगे।

कलेक्टर वर्मा द्वारा जारी आदेश के मुताबिक लोहा मण्डी/अनाज मण्डी के लिए समस्त भारी वाहन तेजाजी नगर, आईटी पार्क चौराहा, मालवीय पेट्रोल पम्प से तीन इमली चौराहा, मालवीय पेट्रोल पम्प से देवास नाका तक प्रातः 06 बजे से दोपहर 12 बजे तक तथा शाम 5 बजे से रात्रि 10 बजे तक प्रतिबंधित रहेंगे। अब इनके लिए वैकल्पिक मार्ग बायपास से आने वाले भारी वाहन नेमावर रोड़, पालदा नाका, ईमली चौराहा, नवलखा और अग्रसेन चौराहा से होते हुये लोहा मण्डी आवागमन कर सकेंगे। इसी प्रकार राऊ गोल चौराहा राजेन्द्र नगर से आने वाले भारी वाहन चौईथराम चौराहा, राजीव गांधी चौराहा, आई.टी. पार्क चौराहा, तीन इमली, नवलखा, अग्रसेन चौराहा होकर लोहा मण्डी आवागमन कर सकेंगे। इसी तरह खण्डवा रोड़ से आने वाले वाहन भी नेमावर रोड़ से पालदा नाका, तीन इमली चौराहा, नवलखा, अग्रसेन चौराहा से होते हुये लोहा मण्डी आवागमन कर सकेंगे।

यदि उज्जैन की ओर से आने वाले भारी वाहन लोहा मण्डी क्षेत्र में आते है तो वे लवकुश चौराहा, एमआर-10, बापट, स्कीम नं0-136, देवास नाका से निपानिया, बाम्बे हॉस्पिटल, रेडिसन, स्टार चौराहा, लाभ गंगा, बेस्ट प्राइज से बायपास होकर नेमावर रोड़, पालदा, तीन इमली, नवलखा, अग्रसेन चौराहा से लोहा मण्डी आवागमन कर सकेंगे। इसी तरह पोलोग्राउण्ड औद्योगिक केन्द्र प्रवेश करने वाले भारी वाहन रेलवे क्रासिंग ब्रिज निर्माणाधीन होने से प्रातः 06 बजे से 12 बजे तक तथा दोपहर 3 बजे से रात्रि 11 बजे तक प्रतिबंधित रहेंगे। इस मार्ग के लिए भार वाहक वाहनों का वैकल्पिक मार्ग लवकुश चौराहा से दीपमाला ढाबा, बाणगंगा ओवर ब्रिज से कुमार खाड़ी, मरीमाता चौराहा से पोलोग्राउंड तक रहेगा। चंदन नगर चौराहे से पंचकुईया भारी वाहनों का आवागमन प्रातः 06 बजे से दोपहर 12 बजे तक तथा दोपहर 3 बजे से रात्रि 11 बजे तक प्रतिबंधित रहेंगा। चंदन नगर से वाहन गंगवाल, भारी राज मोहल्ला, अंतिम चौराहा, पंचकुईया, ट्रांसपोर्ट नगर आ जा सकेंगे।

कलेक्टर वर्मा द्वारा जारी उक्त आदेश के मुताबिक यह प्रतिबंध केवल भार वाहनों के लिये है, शेष हल्के वाहन जैसे कार/जीप, 407 के समकक्ष श्रेणी के वाहन तथा दुपहिया वाहन यथावत पूर्ववत् चालू रहेंगे। इस तरह शहर में प्रवेश करने वाले वाहनों द्वारा यातायात नियमों का पूर्णतः पालन करेंगे। वाहनों के सम्पूर्ण कागजात यथा रजिस्ट्रेशन, इंश्योरेंस, पीयूसी, फिटनेस आदि वैध अवधि के होना आवश्यक है। वाहन चालक का हैवी ड्रायविंग लायसेंस वैध अवधि का होना जरूरी है। यदि कोई वाहन चालक नशा करके वाहन चलाते पाया जाता है, तो तत्काल वाहन जप्त करते हुये उसके विरूद्ध कड़ी कार्रवाई की जाएगी। वाहन चालक अपने वाहन को निर्धारित पार्किंग स्थल पर पार्क करेंगे, जिससे सुरक्षा व सुविधा बनी रहें और किसी भी प्रकार का आवागमन बाधित न हो।

पुलिस कमिश्नर इंदौर ने बेहतर यातायात प्रबंधन व पुलिसिंग को लेकर की बैठक

आमजन की सुविधा को ध्यान में रखते हुए कार्यवाही करने के दिए दिशा-निर्देश

इंदौर। शहर में बेहतर यातायात प्रबंधन एवं पुलिस की कार्यप्रणाली को बेहतर करने तथा उसमें और कसावट लाने के उद्देश्य से पुलिस आयुक्त नगरीय इंदौर संतोष कुमार सिंह द्वारा इंदौर नगरीय क्षेत्र के पुलिस अधिकारियों के साथ एक बैठक का आयोजन दिनांक 09.10.25 को कार्यालय के सभागार में किया गया।

उक्त बैठक में अति पुलिस आयुक्त (कानून व्यवस्था) इंदौर अमित सिंह, अति पुलिस आयुक्त (अपराध/मुख्यालय) इंदौर आर. के. सिंह सहित नगरीय क्षेत्र के सभी पुलिस उपायुक्तगण, सभी अति. पुलिस उपायुक्तगण उपस्थित रहें।

बैठक में कमिश्नर इंदौर संतोष कुमार सिंह ने शहर में बेहतर यातायात प्रबंधन व त्यौहार के दौरान बेहतर पुलिस व्यवस्था पर विशेष ध्यान देते हुए सभी को निर्देशित किया कि -

- यातायात के पीक अवर्स में वरिष्ठ अधिकारी भी फील्ड में रहे व बेहतर यातायात प्रबंधन का कार्य कराए।
- भीड़भाड़ वाले इलाकों व बाजारों में पार्किंग व यातायात प्रबंधन के लिए व्यापारियों से चर्चा कर अन्य विभागों से समन्वय कर पार्किंग की व्यवस्था की जाएं।
- अस्थायी दुकानों के कारण यातायात बाधित होने की समस्या हेतु दुकानदारों व अन्य विभागों से भी चर्चा कर उचित समाधान के प्रयास किए जाए।
- प्रमुख चौराहों सहित जहां पर भी लेफ्ट टर्न बाधित है, उसको व्यस्थित करने के लिए अन्य विभागों से समन्वय सहित आवश्यक कार्यवाही करें।
- भारी वाहनों से नो एंट्री का कड़ाई से पालन कराया जाए।
- प्रमुख बाजारों आदि के दुकानदारों व आम नागरिकों से भी चर्चा कर बेहतर यातायात व्यवस्था के प्रयास किए जाए।

इसके साथ ही नगरीय इंदौर की एसीपी कोर्ट की कार्यप्रणाली की मॉनिटरिंग व आम नागरिकों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए एक निश्चित समय पर न्यायालयीन कार्यवाही हो को लेकर भी निर्देश दिए। शहर में आपराधिक व असामाजिक तत्वों की गतिविधियों पर निगरानी हेतु प्रभावी चैकिंग के लिए रात्रि में थाना प्रभारी भी बल के साथ उपस्थित रहकर कार्यवाही करें व वरिष्ठ अधिकारीगण भी समय समय पर इसकी मॉनिटरिंग व ब्रीफिंग करें, ये भी निर्देशित किया। साथ ही सामुदायिक पुलिसिंग के तहत आमजन की भागीदारी बढ़ाने के उद्देश्य से मोहल्ला समितियों के साथ समय-समय पर बैठकें आयोजित कर उनकी समस्याओं व सुझावों पर कार्यवाही करने पर भी जोर दिया।

संपादकीय

न्याय दिलाने वाला हिंसा की भाषा में क्यों बोल पड़ा?

सुप्रीम कोर्ट में वकील द्वारा जूता फेंकने की कोशिश ने न्यायिक गरिमा पर प्रश्न खड़ा कर दिया। यह घटना केवल असंयम नहीं, बल्कि सोशल मीडिया के प्रभाव में कानून और विवेक की पतन की चेतावनी है।

इससे बड़ी विडंबना और क्या होगी कि जिन लोगों से संविधान और कानून की रक्षा, उसकी मजबूती के लिए काम करने की उम्मीद की जाती है, वही अपनी कुंठाओं का प्रदर्शन करते हुए सारे नियम-कायदे ताक पर रख दें। सर्वोच्च न्यायालय में सोमवार को प्रधान न्यायाधीश के साथ एक वकील ने जो किया, उससे यह तीखा सवाल उठा है कि ऊंची पढ़ाई-लिखाई करके वकालत का पेशा चुनने वाला एक व्यक्ति कैसे अपने दुराग्रहों की वजह से कानून और न्याय-प्रक्रिया को अपमानित कर सकता है।

गौरतलब है कि एक वकील ने कार्यवाही के बीच में ही प्रधान न्यायाधीश बीआर गवई की ओर सिर्फ इसलिए जूता उछालने की कोशिश की कि उसके दिमाग पर सोशल मीडिया पर फैलाई गई कोई बात हावी हो गई थी। सरकार की ओर से हर स्तर पर सुरक्षा व्यवस्था एक मुद्दा दिखने के बावजूद अदालत के भीतर इसका ढांचा कैसा था कि एक व्यक्ति अपनी मनमानी को लेकर बेखौफ था। गनीमत बस यह रही कि आरोपी की हरकत सीमित थी, वरना वहां कुछ भी हो सकता था।

सवाल है कि जिस व्यक्ति के भीतर विवेक इस कदर अनुपस्थित हो गया हो कि वह अदालत में ही प्रधान न्यायाधीश के प्रति आक्रामक हो गया, वह इससे ज्यादा हिंसक नहीं होगा, इस बात की क्या गारंटी है। इस मसले पर सोशल मीडिया पर फैलाई गई बातों के असर में इस तरह बेलगाम और

आक्रामक होना इस बात का भी सूचक है कि ऐसे व्यक्ति का विवेक सामान्य तरीके से काम नहीं कर पा रहा है और वह कानून के तंत्र एवं शासन के बजाय हिंसा का रास्ता अख्तियार करना ज्यादा सही मानता है। शायद यही वजह है कि प्रधान न्यायाधीश ने भले ही उदारता दिखाते हुए आरोपी व्यक्ति के प्रति नरमी बरती, लेकिन सुप्रीम कोर्ट बार काउंसिल ने आरोपी वकील का लाइसेंस जब्त कर उसे निलंबित कर दिया। मगर इस घटना की गंभीरता को समझते हुए ही खुद प्रधानमंत्री सहित अन्य कई बड़े नेताओं ने इसे निंदनीय बताया और चिंता जाहिर की।

हैरानी की बात है कि आरोपी ने अपनी मनमानी करने का जो कारण बताया, उससे यह साफ है कि वकील होने के बावजूद उसकी नजर में कानून या न्याय-प्रणाली की कोई अहमियत नहीं है। दरअसल, सोशल मीडिया पर प्रधान न्यायाधीश के एक बयान की मनमानी व्याख्या करके उसे फैलाया गया और उसके प्रभाव में आए लोगों ने इस पर सोचने-समझने या विवेक का उपयोग करने की जरूरत नहीं समझी।

आरोपी वकील ने जिस सनातन के कथित अपमान की बात की, क्या वह उसे आक्रामकता और हिंसा का सहारा लेने का संदेश देता है? इस समूचे मामले में सोशल मीडिया की जैसी भूमिका सामने आई, वह भी बेहद चिंताजनक और बहसतलब है। विवाद के संदर्भ में प्रधान न्यायाधीश ने साफ कहा था कि उनकी बातों को तोड़-मरोड़ कर पेश किया गया, लेकिन अफसोसनाक है कि उसी मनमानी से प्रभावित होकर कुछ लोगों ने उनके खिलाफ धारणा बना ली।

आजकल सोशल मीडिया पर जिस तरह बिना कुछ सोचे-समझे किसी बात की गलत व्याख्या करने और उसके जरिए व्यापक स्तर पर धारणा बनाने का चलन देखा जा रहा है, उसके घातक नतीजे सामने आ रहे हैं। एक ऐसा माहौल बनाया जा रहा है, जिसमें विचार, बहस और विवेक के उपयोग की जगह सिमटती जा रही है और आक्रामकता तथा हिंसक मनोवृत्ति का उभार देखा जा रहा है। यह स्थिति देश के लोकतंत्र और कानून के लिहाज से बेहद चिंताजनक है।

क्यों मनाया जाता है करवा चौथ, क्या है इसके पीछे की कहानी?

करवा चौथ का पर्व मुख्य रूप से विवाहित महिलाओं द्वारा अपने पति की लंबी आयु, सुरक्षा, और सुख-समृद्धि के लिए मनाया जाता है. इसका धार्मिक, सांस्कृतिक और पौराणिक महत्व है, जो इसे एक विशेष और महत्वपूर्ण त्योहार बनाता है. करवा चौथ के व्रत से जुड़ी कई पौराणिक कथाएं और कहानियां हैं,जो करवा चौथ व्रत का महत्व और इसे मनाने का कारण बताती हैं.

करवा चौथ हिंदू धर्म में विवाहित महिलाओं द्वारा रखा जाने वाला एक महत्वपूर्ण व्रत है. यह व्रत पति की लंबी उम्र और सुख-समृद्धि की कामना के लिए किया जाता है. इस व्रत का धार्मिक महत्व तो है ही, साथ ही यह पति-पत्नी के रिश्ते को और मजबूत बनाने में भी मदद करता है. करवा चौथ व्रत का व्रत पति की लंबी उम्र और स्वस्थ जीवन की कामना से किया जाता है. यह व्रत पति-पत्नी के बीच प्रेम और विश्वास को बढ़ाता है. माना जाता है कि यह व्रत महिलाओं को सौभाग्य प्रदान करता है. यह व्रत हिंदू धर्म की परंपराओं का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है. इसलिए यह व्रत भारतीय संस्कृति का एक अहम हिस्सा है और पीढ़ी दर पीढ़ी चला आ रहा है. आइए जानते हैं कि करवा चौथ व्रत क्यों मनाया जाता है.

करवा चौथ व्रत तिथि और शुभ मुहूर्त

करवा चौथ 2025 की तिथि और समय पंचांग के अनुसार, करवा चौथ कार्तिक मास के कृष्ण पक्ष की चतुर्थी तिथि को मनाया जाता है। इस साल चतुर्थी तिथि का प्रारंभ 9 अक्टूबर रात 10.54 बजे होगा और इसका समाप्त 10 अक्टूबर शाम 07.38 बजे होगा। उदया तिथि के अनुसार यह व्रत शुक्रवार 10 अक्टूबर को रखा जाएगा।

पूजा का शुभ मुहूर्त

शाम 05.57 से 07.11 तक
(अवधि - 1 घंटा 14 मिनट)

इस साल व्रत का समय

सुबह 06.19 से रात 08.13 तक
(अवधि 13 घंटे 54 मिनट)
चंद्रोदय का समय- रात 08.13 बजे

क्यों मनाया जाता है करवा चौथ?

वीरवती की कथा

पौराणिक कथाओं के अनुसार, प्राचीन काल में वीरवती नाम की एक सुंदर और धर्मनिष्ठ राजकुमारी थी. वह अपने सात भाइयों की इकलौती बहन थी. विवाह के बाद, वीरवती ने पहली बार अपने पति की लंबी उम्र के लिए करवा चौथ का व्रत रखा. उसने दिनभर अन्न-जल ग्रहण नहीं किया और पूरी श्रद्धा के साथ व्रत का पालन किया. लेकिन दिन ढलते-ढलते भूख और प्यास के कारण वह अत्यधिक कमजोर हो गई. वीरवती की यह दशा देखकर उसके भाई चिंतित हो गए. वे अपनी बहन की हालत देखकर दुखी हो गए और उसे व्रत तोड़ने के लिए मनाने लगे, लेकिन वीरवती ने कहा कि जब तक चंद्रमा उदित नहीं होता, वह व्रत नहीं तोड़ेगी. वीरवती के भाइयों ने अपनी बहन की हालत देखकर एक उपाय सोचा. उन्होंने पेड़ की आड़ में छल से एक दर्पण का उपयोग करके नकली चंद्रमा बना दिया. भाइयों ने वीरवती से कहा कि चंद्रमा निकल आया है और उसे देखकर व्रत तोड़ लो. वीरवती ने वह नकली चंद्रमा देखकर व्रत तोड़ दिया और जल ग्रहण कर लिया. जैसे ही उसने व्रत तोड़ा, उसे यह सूचना मिली कि उसका पति गंभीर रूप से बीमार हो गया है. वीरवती को तुरंत आभास हुआ कि उसने चंद्रमा की पूजा किए बिना और सही समय से पहले व्रत तोड़ दिया, जिसके कारण यह अनहोनी हुई. वह अत्यधिक दुखी हुई और पश्चाताप करने लगी. अपने पति की लंबी आयु के लिए वीरवती ने दृढ़ संकल्प किया और पूरी श्रद्धा के साथ करवा चौथ का व्रत फिर से रखा. उसकी भक्ति और समर्पण से प्रसन्न होकर माता पार्वती ने उसे आशीर्वाद दिया और उसका पति स्वस्थ हो गया.

महाभारत काल से जुड़ी कथा

महाभारत में भी एक कहानी है जो करवा चौथ से जुड़ी हुई है. जब अर्जुन युद्ध करने नीलगिरी पर्वत पर गए थे, तो द्रौपदी बहुत चिंतित थीं. उन्होंने भगवान कृष्ण से अपने पति की सुरक्षा के लिए मार्गदर्शन मांगा. कृष्ण ने उन्हें करवा चौथ का व्रत रखने और शिव-पार्वती की पूजा करने की सलाह दी. द्रौपदी ने व्रत रखा, जिससे अर्जुन सुरक्षित रहे. कथाओं में इस कहानी को भी करवा चौथ से जोड़ कर देखा जाता है.

करवा और पति की कथा

तीसरी प्रसिद्ध कथा करवा नामक महिला की है, जो अपने पति के प्रति अत्यधिक समर्पित थी. एक दिन जब उसका पति नदी में स्नान कर रहा था, तब एक मगरमच्छ ने उसे पकड़ लिया. करवा ने अपने पति की रक्षा के लिए दृढ़ संकल्प किया और मगरमच्छ को एक सूती धागे से बांध दिया. फिर उसने यमराज से प्रार्थना की कि मगरमच्छ को दंड दें और उसके पति की रक्षा करें. यमराज करवा के समर्पण से प्रभावित हुए और मगरमच्छ को दंडित किया औरउसके पति को दीर्घायु का आशीर्वाद दिया. इस तरह की और भी पौराणिक कथाएं हैं जिन्हें करवा चौथ के व्रत से जोड़कर देखा जाता है.

करवा चौथ व्रत का महत्व

करवा चौथ एक ऐसा त्योहार है जो विवाहित महिलाओं के लिए बेहद खास होता है. यह त्योहार पति की लंबी उम्र और सुख-समृद्धि की कामना के लिए मनाया जाता है. माना जाता है कि इस व्रत को रखने से पति की उम्र लंबी होती है. करवा चौथ का व्रत पति-पत्नी के बीच प्रेम और विश्वास को बढ़ाता है. यह व्रत दोनों के बीच के बंधन को और मजबूत बनाता है. यह व्रत महिलाओं को सौभाग्य प्रदान करता है. माना जाता है कि इस व्रत को रखने से महिलाएं सुखी और समृद्ध जीवन जीती हैं. करवा चौथ भारतीय संस्कृति का एक अहम हिस्सा है और पीढ़ी दर पीढ़ी चला आ रहा है. यह त्योहार महिलाओं को एक साथ लाता है और उन्हें एक-दूसरे के साथ जुड़ने का मौका देता है.

सुहागिनों का पवित्र एवं सौभाग्य का व्रत करवा चौथ

करवा चौथ का पर्व कार्तिक मास के कृष्ण पक्ष की चतुर्थी को मनाया जाता है। इस बार यह त्योहार 10 अक्टूबर को मनाया जाएगा। इस दिन विवाहिताएं अपने पति की लंबी उम्र के लिए व्रत रखती हैं। साथ ही अच्छे वर की कामना से अविवाहिताएं भी करवा चौथ का व्रत रखती हैं।

सुहागिनों का पवित्र एवं सौभाग्य का व्रत करवा चौथ इस बार 10 अक्टूबर को मनाया जाएगा। सुहागिन या पतिव्रता स्त्रियों के लिए करवा चौथ बहुत ही महत्वपूर्ण व्रत है। यह व्रत कार्तिक कृष्ण की चंद्रोदय व्यापिनी चतुर्थी को किया जाता है। स्त्रियां इस व्रत को पति की दीर्घायु के लिए रखती हैं। यह व्रत अलग-अलग क्षेत्रों में वहां की प्रचलित मान्यताओं के अनुरूप रखा जाता है, लेकिन इन मान्यताओं में थोड़ा-बहुत अंतर होता है।

सार तो सभी का एक होता है-पति की दीर्घायु। इस पर्व पर महिलाएं हाथों में मेहंदी रचाती हैं, 16 श्रृंगार करती हैं एवं पति की पूजा कर व्रत का पारायण करती हैं।

करवा चौथ व्रत विधि : करवा चौथ में लगने वाली आवश्यक पूजन सामग्री को एकत्र करें। व्रत के दिन प्रातः स्नानादि करने के पश्चात यह संकल्प बोलकर करवा चौथ व्रत का आरंभ करें- 'मम सुख सौभाग्य पुत्र-पौत्रादि सुस्थिर श्री प्राप्तये करक चतुर्थी व्रतमहं करिष्ये।'

पूरे दिन निर्जला रहें। दीवार पर गेरू से फलक बनाकर पिसे चावलों के घोल से करवा मांडें। इसे 'वर' कहते हैं। चित्रित करने की कला को 'करवा धरना' कहा जाता है। 8 पूरियों की अठावरी बनाएं। हलुआ बनाएं। पक्के पकवान बनाएं। पीली मिट्टी से गौरी बनाएं और उनकी गोद में गणेशजी बनाकर बिठाएं। गौरी को लकड़ी के आसन पर बिठाएं। चौक बनाकर आसन को उस पर रखें। गौरी को चुनरी ओढ़ाएं। बिंदी आदि सुहाग सामग्री से गौरी का श्रृंगार करें। जल से भरा हुआ लोटा रखें। वायना (भेंट) देने के लिए मिट्टी का टोंटीदार करवा लें। करवा में गेहूं और ढक्कन में शकर का बूरा भर दें। उसके ऊपर दक्षिणा रखें। रोली से करवे पर स्वस्तिक बनाएं। गौरी-गणेश और चित्रित करवे की परंपरानुसार पूजा करें। पति की दीर्घायु की कामना कर पढ़ें यह मंत्र -

नमस्त्यै शिवायै शर्वाण्यै सौभाग्यं संतति शुभा।
प्रयच्छ भक्तियुक्तानां नारीणां हरवल्लभे।

करवे पर 13 बिंदी रखें और गेहूं या चावल के 13 दाने हाथ में लेकर करवा चौथ की कथा कहें या सुनें। कथा सुनने के बाद करवे पर हाथ घुमाकर अपनी सासुजी के पैर छूकर आशीर्वाद लें और करवा उन्हें दे दें। 13 दाने गेहूं के और पानी का लोटा या टोंटीदार करवा अलग रख लें। रात्रि में चंद्रमा निकलने के बाद छलनी की ओट से उसे देखें और चंद्रमा को अर्घ्य दें। इसके बाद पति से आशीर्वाद लें। उन्हें भोजन कराएं और स्वयं भी भोजन कर लें। पूजन के पश्चात आस-पड़ोस की महिलाओं को करवा चौथ की बधाई देकर पर्व को संपन्न करें।

रोहित और विराट के संन्यास के बाद केएल राहुल पर है बड़ी जिम्मेदारी : पार्थिव पटेल

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व विकेटकीपर बल्लेबाज पार्थिव पटेल ने केएल राहुल की प्रशंसा करते हुए कहा है कि रोहित शर्मा और विराट कोहली के संन्यास के बाद राहुल पर बड़ी जिम्मेदारी आ गई है। जियोहॉटस्टार से बात करते हुए पार्थिव पटेल ने कहा, केएल राहुल जिम्मेदारी के साथ शानदार प्रदर्शन कर रहे हैं। रोहित शर्मा और विराट कोहली के संन्यास के बाद चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में बेहतर प्रदर्शन करने की जिम्मेदारी राहुल पर आ गई है। हम उनके कौशल को जानते हैं। वह स्पिनरों के खिलाफ गेंद को अपने पास आने देते हैं और अपने पैरों का बेहतरीन इस्तेमाल करते हैं। यह शैली उन पर पूरी तरह से जंचती है।

अब सबसे जरूरी चीज है गति पकड़ने की उनकी क्षमता, जिसका जिक्र उन्होंने खुद किया है। वह शुरुआत में समय लेते हैं, गेंदबाजों और क्षेत्ररक्षण का आकलन करते हैं, और फिर आक्रमण करने के लिए सही मौके चुनते हैं। वर्तमान में, टेस्ट क्रिकेट में उनका औसत लगभग 36 का है। वह इस आंकड़ों से कहीं बेहतर बल्लेबाज हैं। इस साल उन्हें निरंतरता बनाए रखते देखना उत्साहजनक है। वेस्टइंडीज के खिलाफ अहमदाबाद में खेले गए सीरीज के पहले टेस्ट में राहुल ने शतक लगाया था। उन्होंने 100 रन की पारी खेली थी। इंग्लैंड दौरे पर राहुल ने बेहतरीन बल्लेबाजी की थी। पांच टेस्ट मैचों की 10 पारियों में दो शतक और दो अर्धशतक लगाते हुए 532 रन बनाए थे। केएल राहुल मौजूदा टीम में सबसे अनुभवी बल्लेबाज हैं। रोहित शर्मा की मौजूदगी में राहुल को बल्लेबाजी क्रम में लगातार बदलाव का सामना करना पड़ता था।

कभी ओपनिंग और कभी मध्यक्रम में बल्लेबाजी करनी पड़ती थी। रोहित के संन्यास के बाद राहुल के लिए टेस्ट में सलामी बल्लेबाज की जगह तय हो गई है और वह पूरी जिम्मेदारी के साथ अच्छी बल्लेबाजी कर रहे हैं। उनका लय में होना भारतीय टीम के लिए अच्छा है। राहुल 64 टेस्ट में 11 शतक और 19 अर्धशतक की मदद से 3,889 रन बना चुके हैं।

28 महीने से नहीं खेला टेस्ट मैच; आकाशदीप को भी मिला मौका

मोहम्मद शमी की हुई इस टीम में वापसी

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट टीम के स्टार तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी इन दिनों लगातार सुर्खियों में बने हुए हैं। वेस्टइंडीज सीरीज में मौका नहीं मिलने और फिर ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए जारी वनडे टीम से भी बाहर रहने के बाद उनके करियर पर कई प्रश्न चिन्ह लग रहे थे। मगर अब शमी एक बार फिर से मैदान पर लौटने को तैयार हैं। 35 वर्षीय भारतीय तेज गेंदबाज ने भले ही 28 महीने से टेस्ट मैच नहीं खेला हो लेकिन अब उनकी रेड बॉल क्रिकेट में वापसी होने वाली है। शमी को आगामी रणजी ट्रॉफी 2025 के लिए बंगाल के 17 सदस्यीय स्क्वाड में चुना गया है। उनके साथ आकाशदीप को भी मौका मिला है। जबकि इस टीम की कप्तानी सौंपी गई है अभिमन्यु ईश्वरन को जो लंबे समय से टीम इंडिया के लिए डेब्यू का इंतजार कर रहे हैं। वह इंग्लैंड दौरे पर भारतीय स्क्वाड का हिस्सा थे, मगर वेस्टइंडीज सीरीज के लिए उन्हें नहीं चुना गया। वहीं विकेटकीपर बल्लेबाज अभिषेक पोरेल को उपकप्तान बनाया गया है। शमी और आकाशदीप के आने से बंगाल का स्क्वाड काफी मजबूत नजर आ रहा है। गौरतलब है कि शमी ने भारत के लिए आखिरी टेस्ट मैच जून 2023 में खेला था। हाल ही में दलीप ट्रॉफी के क्वार्टर फाइनल में भी वह नजर आए थे।

क्रिकेटर रिंकू सिंह को मिली डी-कंपनी की धमकी, 10 करोड़ की फिरौती की डिमांड...

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय क्रिकेटर रिंकू सिंह से जुड़ी एक बड़ी खबर सामने आ रही है. उनसे दाऊद इब्राहिम के गिरोह डी-कंपनी का नाम लेकर 10 करोड़ रुपये की फिरौती मांगी गई. पुलिस ने इस मामले में क्रिकेटर रिंकू को धमकी देने वाले आरोपी से पूछताछ की, जिसके बाद इस बात का खुलासा हुआ. दरअसल, रिंकू सिंह से भी फिरौती मांगी गई है, इस बात का खुलासा मुंबई पुलिस की जांच में हुआ. ध्यान रहे दिवंगत एनसीपी नेता और पूर्व मंत्री बाबा सिद्दीकी के बेटे जीशान सिद्दीकी को धमकी देने के मामले में गिरफ्तार आरोपी मोहम्मद दिलशाद नौशाद गिरफ्तार हुआ था, उससे पूछताछ में यह बात सामने आई. नौशाद ने पूछताछ के दौरान खुलासे में बताया कि उसने भारतीय क्रिकेटर रिंकू सिंह से भी 10 करोड़ रुपये की फिरौती मांगी थी. सूत्रों के मुताबिक, जांच के दौरान पता चला कि दिलशाद ने रिंकू सिंह के इवेंट मैनेजर को भी धमकी भरा ईमेल भेजा था. दोनों मामलों में आरोपी ने खुद को डी-कंपनी का सदस्य बताते हुए फिरौती न देने पर जान से मारने की धमकी दी थी. मुंबई पुलिस ने इस मामले में पहली बार बड़ी कार्रवाई करते हुए बिहार के दरभंगा निवासी 33 वर्षीय मोहम्मद दिलशाद नौशाद को त्रिनिदाद और टोबैगो से प्रत्यर्पित किया था.

शुभमन गिल को पहले से पता था! टीम इंड़िया के नए ओडीआई कप्तान का बड़ा खुलासा

जाने वाली है रोहित शर्मा की कैप्टेंसी

नई दिल्ली, एजेंसी। शुभमन गिल अब भारतीय टीम के टेस्ट और वनडे फॉर्मेट के कप्तान हैं. 4 अक्टूबर को गिल को वनडे टीम की कमान देने की घोषणा चीफ सेलेक्टर अजीत अगरकर ने की थी. वहीं रोहित से वनडे क्रिकेट की कप्तानी छीने जाने को लेकर कई सवाल भी उठे थे. सवाल यह है कि आखिर उनकी शागिर्दी में खेले टीम इंड़िया के किसी खिलाड़ी का रिएक्शन क्यों नहीं आया. सबसे बड़ा सवाल इस बात का भी था कि आखिर नए वनडे कप्तान शुभमन गिल ने इस पूरे मसले पर चुपचाप क्यों रहे?

इन तमाम सवालों के बीच आखिरकार शुभमन गिल ने दिल्ली में आज (9 अक्टूबर) वेस्टइंडीज संग दूसरे टेस्ट मैच (10 अक्टूबर से होना) से पहले प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित किया. जहां उन्होंने इशारों-इशारों में यह कह दिया कि उनको रोहित शर्मा के वनडे कप्तान से हटने की जानकारी पहले से ही थी. वनडे कप्तानी मिलने पर गिल ने कहा- पहले टेस्ट (वेस्टइंडीज के खिलाफ अहमदाबाद में) के बाद इसका ऐलान हुआ था, लेकिन मुझे इसके बारे में थोड़ा पहले ही पता चल गया था. भारत की कप्तानी करना मेरे लिए सम्मान की बात है.

रोहित भाई से बॉन्डिंग की प्रेरणा लूंगा: शुभमन गिल अब टीम इंडिया के नए ODI कप्तान बन चुके हैं. उन्होंने गुरुवार को कहा कि वो अपने पूर्व कप्तान रोहित शर्मा के शांत स्वभाव और टीम में बनाए गए आपसी रिश्तों को आगे बढ़ाना चाहते हैं. रोहित भाई की शांत प्रकृति और जिस तरह उन्होंने टीम में दोस्ती का माहौल बनाया, मैं उसे अपनाना चाहता हूं.

रोहित-कोहली खेलते रहेंगे वनडे, गिल ने किया साफ

नए वनडे कप्तान शुभमन गिल ने यह भी साफ किया कि रोहित शर्मा और विराट कोहली के भविष्य को लेकर जो अटकलें लगाई जा रही हैं, उनमें कोई सच्चाई नहीं है. दोनों खिलाड़ी अब केवल वनडे फॉर्मेट में उपलब्ध हैं. कोहली लंदन में हैं, जबकि रोहित शर्मा मुंबई में अपने घर पर हैं. दोनों 15 अक्टूबर को टीम के साथ ऑस्ट्रेलिया रवाना होंगे. गिल ने कहा, इन दोनों ने भारत के लिए अनगिनत मैच जिताए हैं. बहुत कम खिलाड़ियों में इतनी स्किल और एक्सपीरियंस होता है, हमें उनकी जरूरत है.

महिला विश्व कप:

पाकिस्तान की शर्मनाक हार, 107 रन से जीती ऑस्ट्रेलिया

कोलंबो, एजेंसी। महिला विश्व कप 2025 के नौंवे मैच में ऑस्ट्रेलिया ने पाकिस्तान को 107 रन से हराकर अपनी जीत का सिलसिला बरकरार रखा है। टॉस गंवाने के बाद पहले बल्लेबाजी करने उतरी ऑस्ट्रेलिया की स्थिति बेहद खराब थी। टीम ने महज 76 के स्कोर पर 7 और 115 के स्कोर पर 8 विकेट गंवा दिए। इस समय ऐसा लग रहा था कि मैच का परिणाम पाकिस्तान के पक्ष में आएगा, लेकिन नौंवे विकेट के लिए बेथ मूनी और अलाना किंग के बीच रिकॉर्ड 106 रन की साझेदारी हुई। दोनों ने ऑस्ट्रेलिया का स्कोर 9 विकेट पर 221 तक पहुंचा दिया। बेथ मूनी आखिरी गेंद पर आउट हुईं। मूनी ने 114 गेंद पर 11 चौके की मदद से 109 रन की पारी खेली। मूनी का वनडे में पांचवां शतक था। वहीं, अलाना किंग ने 49 गेंद पर 51 रन बनाए। दसवें नंबर पर बल्लेबाजी करते हुए अर्धशतक लगाने वाली वह पहली बल्लेबाज बनीं। पाकिस्तान के लिए नशरा संधु ने 3, कप्तान फातिमा सना और रमीन शमीम ने 2-2, और डायना बेग और सादिया इकबाल ने 1-1 विकेट लिए। 222 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी पाकिस्तान की शुरुआत भी ऑस्ट्रेलिया की तरह ही हुई। पाकिस्तान ने भी 49 पर 6 और 78 रन पर अपने 7 विकेट खो दिए। ऐसी स्थिति से ऑस्ट्रेलिया निकल गई थी, पाकिस्तान नहीं निकल सकी। पाकिस्तान 36.3 ओवर में 114 रन पर सिमट गई। सिद्रा अमीन 52 गेंद पर 35 रन बनाकर श्रेष्ठ स्कोरर रहीं। रमीन शमीम ने 15, फातिमा सना और नशरा संधु ने 11-11 रन बनाए। इसके अलावा कोई बल्लेबाज दो अंकों में नहीं पहुंच सका।

टेस्ट रैंकिंग में अपने करियर के सर्वश्रेष्ठ स्थान पर पहुंचे रवींद्र जडेजा

नई दिल्ली, एजेंसी। वेस्टइंडीज के खिलाफ अहमदाबाद टेस्ट में 104 रन की नाबाद पारी खेलने वाले भारतीय ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा आईसीसी पुरुष टेस्ट बल्लेबाजों की रैंकिंग में अपने करियर के सर्वश्रेष्ठ 25वें स्थान पर पहुंच गए हैं। जडेजा ने छह पायदान की छलांग लगाई है। 36 वर्षीय जडेजा की इससे पहले टेस्ट में सर्वश्रेष्ठ रैंकिंग 29 थी, जो उन्होंने इसी साल जुलाई में हासिल की थी। न सिर्फ बल्ले, बल्कि रवींद्र जडेजा ने वेस्टइंडीज के खिलाफ गेंद से भी सभी को प्रभावित किया है। उन्होंने वेस्टइंडीज की दूसरी पारी में 4 विकेट हासिल किए। शानदार प्रदर्शन के चलते जडेजा को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। वह ऑलराउंडर की सूची में शीर्ष पर बने हुए हैं। दूसरी ओर, वेस्टइंडीज के विरुद्ध पहली पारी में 4 और दूसरी पारी में 3 विकेट हासिल करने वाले मोहम्मद सिराज गेंदबाजों की सूची में 3 पायदान ऊपर चढ़कर 12वें स्थान पर पहुंच गए हैं। उन्होंने पहली बार 700 रेटिंग अंकों को पार किया है। इस टेस्ट मैच के साथ अपनी रैंकिंग सुधारने वाले अन्य खिलाड़ियों में केएल राहुल और ध्रुव जुरेल शामिल हैं, जिन्होंने शतकीय पारियों के बाद बल्लेबाजी रैंकिंग में तरक्की की है।

आर्कटिक ओपन:

आर्कटिक ओपन से लक्ष्य सेन बाहर, मन्नेपल्ली ने भारतीय उम्मीदों को जीवित रखा

नई दिल्ली, एजेंसी। दुनिया के 46वें नंबर के खिलाड़ी मन्नेपल्ली ने पहले गेम में मिली हार से उबरते हुए पोपोव को एक घंटे आठ मिनट तक चले मुकाबले में 11-21, 21-11, 22-20 से हराया। वहीं, पेरिस ओलंपिक के सेमीफाइन में जगह बनाने वाले लक्ष्य को दुनिया के 11वें नंबर के खिलाड़ी और पांचवीं वरीयता प्राप्त जापान के कोडाई नाराओका ने 57 मिनट में 21-15, 21-17 से हरा दिया। भारत के बैडमिंटन खिलाड़ी थारुण मन्नेपल्ली ने आर्कटिक ओपन 2025 में देश की पुरुष एकल उम्मीदों को जीवंत रखा है। उन्होंने रोमांचक मुकाबले में दुनिया के 14वें नंबर के खिलाड़ी फ्रांस के टोमा जूनियर पोपोव को हराकर उलटफेर किया जबकि लक्ष्य सेन इस साल 10वीं बार पहले दौर में बाहर हो गए। दुनिया के 46वें नंबर के खिलाड़ी मन्नेपल्ली ने पहले गेम में मिली हार से उबरते हुए पोपोव को एक घंटे आठ मिनट तक चले मुकाबले में 11-21, 21-11, 22-20 से हराया। उन्होंने निर्णायक गेम में चार मैच प्वाइंट बचाकर बीडब्ल्यूएफ सुपर 500 प्रतियोगिता में शानदार जीत हासिल की। अब प्री क्वार्टर फाइनल में उनका सामना दुनिया के 18वें नंबर के खिलाड़ी जापान के कोकी वातानबे से होगा।

जापान के खिलाड़ी ने लक्ष्य सेन को दी मात

पेरिस ओलंपिक के सेमीफाइन में जगह बनाने वाले लक्ष्य को दुनिया के 11वें नंबर के खिलाड़ी और पांचवीं वरीयता प्राप्त जापान के कोडाई नाराओका ने 57 मिनट में 21-15, 21-17 से हरा दिया। लक्ष्य को शुरुआत से ही संघर्ष करना पड़ा।

ग्लेन मैक्सवेल ने करवाई सर्जरी, भारत के खिलाफ टी-20 में खेलने की उम्मीद

मेलबर्न, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया के अनुभवी ऑलराउंडर ग्लेन मैक्सवेल ने खुलासा किया है कि उन्होंने भारत के खिलाफ आगामी टी20 सीरीज में खेलने का मौका पाने के लिए हाल ही में कलाई की सर्जरी करवाई। मैक्सवेल ने नेट प्रैक्टिस के दौरान हुई एक अजीब चोट की वजह से अपनी कलाई में फ्रैक्चर झेला था। इसके कारण वे न्यूजीलैंड के खिलाफ पूरी ञ्20द्ध सीरीज और भारत के खिलाफ पहले दो मैचों से बाहर रहेंगे।

सर्जरी का मकसद

मैक्सवेल ने कहा, सर्जरी कराने का मतलब था कि मेरे पास भारत के खिलाफ सीरीज में खेलने की एक छोटी उम्मीद बनी रहे। अगर सर्जरी नहीं कराता, तो पूरे सीरीज से बाहर होना पड़ता। साथ ही यह मेरे लिए बिग बैश लीग में जल्दी फिट होने का मौका भी देता है।

चोट कैसे लगी

मैक्सवेल ने बताया कि चोट उस समय लगी जब वे मिचेल ओवेन के शॉट को रोकने की कोशिश कर रहे थे। उन्होंने कहा, शायद यह थोड़ी बदकिस्मती थी। चोट बस हड्डी पर लगी, मांस पर नहीं, इसलिए मैं शुक्रगुजार था कि ज्यादा नुकसान नहीं हुआ।

पुनर्वास और भविष्य

मैक्सवेल ने 8 अक्टूबर को कास्ट हटाने के बाद थैरेपिस्ट से मुलाकात की और कलाई के लिए बेसिक मूवमेंट्स और स्ट्रेंथनिंग एक्सरसाइज शुरू की। 36 वर्षीय खिलाड़ी ने कहा कि आगामी बीबीएलमें वे नेट में बड़ी स्ट्राइकर्स को अलग लाइन और लेंथ से गेंदबाजी करेंगे ताकि चोट का जोखिम कम हो। पहले दो टी20 मैच 29 और 31 अक्टूबर को खेले जाएंगे। ऑस्ट्रेलिया की क्रिकेट समिति ने अभी बाकी तीन मैचों के लिए टीम का ऐलान नहीं किया है। चयनकर्ता जॉर्ज बेली ने संकेत दिए हैं कि एशेज टीम के खिलाड़ी अंतिम तीन मैच छोड़ सकते हैं ताकि वे रेड-बॉल क्रिकेट पर फोकस कर सकें।

इंदौर में मेट्रो का सपना हुआ साकार

ट्रायल रन ने दिखाया आधुनिक परिवहन का भविष्य

इंदौर। मध्यप्रदेश की औद्योगिक राजधानी इंदौर में मेट्रो ट्रेन का सपना अब धीरे-धीरे साकार होता दिखाई दे रहा है। गुरुवार को शहर में मेट्रो ट्रेन का 17 किलोमीटर लंबा ट्रायल रन सफलतापूर्वक पूरा किया गया, जिसने शहरवासियों में उत्साह और उम्मीद दोनों बढ़ा दिए। अब गांधी नगर से लेकर रेडिसन चौराहा तक मेट्रो का ट्रायल रन और भी आसान हो गया है, जिससे यह स्पष्ट संकेत मिल रहा है कि आने वाले महीनों में मेट्रो आम यात्रियों के लिए भी उपलब्ध हो सकती है यह ट्रायल रन इंदौर के विकास की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम साबित हुआ। पहली बार शहर के सुखलिया ग्राम, विजय नगर और मालवीय नगर क्षेत्र के लोगों ने मेट्रो ट्रेन को अपने इलाके से गुजरते हुए देखा। लोगों में मेट्रो को लेकर उत्सुकता इतनी थी कि कई जगह नागरिक अपने घरों और सड़कों पर खड़े होकर इसका नजारा लेते दिखाई दिए।

पहले दिन मेट्रो ट्रेन ने यह 17 किलोमीटर का सफर लगभग एक घंटे में पूरा किया। सुरक्षा और तकनीकी जांच के मद्देनज़र ट्रेन की रफ्तार को बेहद नियंत्रित रखा गया था। अधिकारियों के अनुसार आने वाले दिनों में स्पीड और सिस्टम दोनों को चरणबद्ध तरीके से बढ़ाया जाएगा, ताकि सभी तकनीकी मानकों की पुष्टि की जा सके। इंदौर मेट्रो परियोजना का यह ट्रायल रन शहर की कनेक्टिविटी और भविष्य की शहरी परिवहन व्यवस्था को नया आयाम देने वाला साबित होगा। जब यह पूरी तरह चालू होगी, तो यह न केवल ट्रैफिक की समस्या को कम करेगी बल्कि प्रदूषण घटाने और समय बचाने में भी बड़ी भूमिका निभाएगी। शहरवासी अब उस दिन का इंतज़ार कर रहे हैं जब वे मेट्रो में सफर कर इंदौर को 'स्मार्ट सिटी' से 'स्मार्ट ट्रांजिट सिटी' के रूप में देख पाएंगे।

दैनिक रणजीत टाइम्स

जिला एवं तहसील स्तर पर

एजेंसी देना है

अपना बायोडाटा सम्पूर्ण विवरण के साथ हमें प्रेषित करें

सम्पर्क करें

8224951278 :: 9827068888

जन्मदिन की अग्रिम शुभ सूचना

"रंजीत टाइम्स" में अब आप अपने या अपने प्रियजनों का जन्मदिन एक दिन पहले ही निशुल्क प्रकाशित करवा सकते हैं!

बस हमें भेजिए: 1 जन्मदिन मनाने वाले की फोटो

2 उसका पूरा नाम- 3 बधाई देने वाले का नाम जन्मदिन के एक दिन पहले ही विज्ञापन भेज दें, ताकि समय रहते प्रकाशित किया जा सके।

भेजने का नंबर (Aditya): 8224951278

रंजीत टाइम्स में आपका विज्ञापन पूरी तरह मुफ्त प्रकाशित किया जाएगा!
अपने जज़बातों को शब्द दें – सिर्फ रंजीत टाइम्स के साथ।
टीम रंजीत टाइम्स- "आपका अपना अख़बार, आपकी आवाज़"

रणजीत टाइम्स

महाकाल मंदिर में रोटेशन से हलचल

नए चेहरों को मिली महत्वपूर्ण विभाग की कमान

महाकाल मंदिर में रोटेशन के जरिए कर्मचारियों का प्रशासनिक अनुभव बढ़ाने पर जोर

उज्जैन। महाकालेश्वर मंदिर प्रशासन ने एक नया और साहसिक प्रशासनिक प्रयोग किया है। रोटेशन प्रणाली के नाम पर किए गए इस बड़े फेरबदल का उद्देश्य कर्मचारियों को मंदिर के विभिन्न महत्वपूर्ण विभागों का अनुभव देना और प्रशासनिक कार्य में नई ऊर्जा लाना है। हालांकि, मंदिर के गलियारों में यह चर्चा गर्म है कि कई अनुभवी कर्मचारी उन विभागों से हटाए गए हैं जहाँ वे स्थापित थे, और उनकी जगह नए कर्मचारियों को मौका दिया गया है। उदाहरण के लिए, सफाई और बाद में लड्डू व्यवस्था संभालने वाले नवीन शर्मा को सीधे जनसंपर्क विभाग का जिम्मा दिया गया है, और स्टोर का कार्य देखने वाले अभिषेक उपाध्याय अब अन्नक्षेत्र जैसी संवेदनशील व्यवस्था संभालेंगे। अनुभवी निरंजन जोनवाल को स्वच्छता व पेयजल का सहप्रभारी बनाना और पूर्व प्रशासक के पीए रहे प्रशांत त्रिपाठी को अतिथि निवास का प्रभार देना दिखाता है कि प्रशासन विभिन्न क्षमताओं वाले कर्मचारियों का उपयोग करना चाहता है। यह देखना दिलचस्प होगा कि अनुभवहीनता की चुनौती के बीच यह रोटेशन प्रणाली मंदिर के प्रबंधन को कितनी तेजी प्रदान कर पाती है। सहायक प्रशासक आशीष पलवाडिया ने इस कदम को प्रशासनिक दक्षता में सुधार का हिस्सा बताया।

इन विभागों में मामूली परिवर्तन

आइटी शाखा – दीपक परमार प्रभारी, निर्मल सांखला व मनोज पटेल सह प्रभारी।
केश– चंद्रेश शर्मा प्रभारी, विनायक राव घाडगे सहप्रभारी।
भस्म आरती – आशीष दुबे प्रभारी तथा प्रवीण शर्मा सह प्रभारी।
सुरक्षा/आपदा/वाहन/कंट्रोल रूम– अनुराग चौबे प्रभारी तथा लोकेश वर्मा सह प्रभारी
शिकायत–मोहित ठाकुर प्रभारी, चंद्रकांत सक्सेना सहप्रभारी।
भूमि शाखा– मोहित ठाकुर प्रभारी।

इन विभागों में पूरी तरह बदलाव

- **स्थापना शाखा** – अनामिका दुबे प्रभारी, मोहित ठाकुर सह प्रभारी।
- **लेखा शाखा** – एलएन मकवाना प्रभारी, अनिल श्रीवास्तव, सत्येंद्र ठाकुर तथा राजेंद्र ढाकरिया सह प्रभारी।
- **स्टोर शाखा**–शिवकांत पाण्डे प्रभारी, दीपेश प्रजापति व प्रदीप तोमर सह प्रभारी।
- **कोठार शाखा** – सुधीर चतुर्वेदी प्रभारी, कमलेश सिसोदिया सह प्रभारी।
- **अन्नक्षेत्र** – अभिषेक उपाध्याय प्रभारी, नरेंद्र व्यास सहप्रभारी।
- **लड्डू प्रसाद यूनिट**–विपिन ऐरन प्रभारी, मनीष तिवारी सह प्रभारी।
- **गौशाला** –अभिषेक उपाध्याय प्रभारी, गोपाल कुशवाह सह प्रभारी।
- **निर्माण/विद्युत/प्लंबर/माली**– शिवकांत पाण्डेय, देवेंद्र परमार प्रभारी, शिवकुमार सक्सेना, संतोष मेहरे सहप्रभारी।
- **विधि व आरटीआई शाखा**– मनीष पांचाल प्रभारी, उमेश दीक्षित सह प्रभारी।
- **जनसंपर्क** – नवीन शर्मा प्रभारी, मंगल विजवा सह प्रभारी।
- **भेंट पेटी गणना**– गौरी जोशी प्रभारी व मिलिंद वैद्य सह प्रभारी।
- **महाकाल व हरसिद्धि अतिथि निवास**– प्रशांत त्रिपाठी प्रभारी, चंदनप्रकाश शर्मा सह प्रभारी।
- **स्वच्छता/पेयजल**– देवेंद्र परमार प्रभारी, निरंजन जोनवाल सहप्रभारी।
- **कार्यालय अधीक्षक**–वीरेंद्र शर्मा
- **दर्शन व्यवस्था**– रवि देवधर प्रभारी, शुभम गौड़, राजू मालवीय सहप्रभारी।
- **कार्यक्रम**– अनामिका दुबे प्रभारी।

मध्य प्रदेश में एमएसएमई की संख्या 20 लाख के पार, देश के शीर्ष छह राज्यों में हुआ शामिल

मार्च 26 तक 25 लाख एमएसएमई के रजिस्ट्रेशन का लक्ष्य

भोपाल। मध्य प्रदेश में सूक्ष्म, लघु और मध्यम(एमएसएमई)उद्यमों की संख्या 20 लाख के पार हो गई है। इस तरह से यह प्रदेश देश के शीर्ष छह राज्यों में शामिल हो गया है। मध्य प्रदेश के सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्री चेतन्य कुमार काश्यप ने गुरुवार को बताया है कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में मध्य प्रदेश में सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम के पंजीयन (एमएसएमई) के क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धि दर्ज की है। भारत सरकार के उद्यम रजिस्ट्रेशन पोर्टल पर अब तक 20 लाख से अधिक सूक्ष्म, लघु और मध्यम इकाइयों पंजीकृत हो चुकी हैं। उद्यम सहायता पोर्टल के अनुसार प्रदेश में अब तक लगभग 23 लाख इकाइयां (IMEs) स्थापित हुई हैं। मंत्री काश्यप ने आज मीडिया को जानकारी देते हुए बताया कि वर्तमान में सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम इकाइयों की कुल संख्या 43 लाख 32 हजार से अधिक हो गयी है। जिसमें सूक्ष्म उद्योगों की संख्या 20 लाख 26 हजार 790, लघु उद्योग की संख्या 19 हजार 524 और मध्यम उद्योगों की संख्या 1 हजार 174 पहुंच गई है। जिससे मध्य प्रदेश का स्थान देश के शीर्ष छह राज्यों की सूची में दर्ज हो चुका है। उल्लेखनीय है कि फरवरी 2025 में ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट के दौरान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा घोषित की गई नवीन एमएसएमई नीति के बाद से बड़े पैमाने पर सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्योग स्थापित हुए हैं। उन्होंने कहा कि विशेषज्ञों के अनुसार नवीन एमएसएमई विकास नीति 2025, स्टार्ट-अप नीति-2025 ईज ऑफ इज़ंग बिजनेस जैसी पहल ने उद्यमियों का भरोसा बढ़ाया है। राज्य में उद्यम स्थापना की प्रक्रिया अब पहले से कहीं अधिक आसान और पारदर्शी हो गई है जिससे औद्योगीकरण की प्रक्रिया में तेजी आई है। उन्होंने कहा है कि इस वृद्धि से रोजगार, स्थानीय निवेश और आत्मनिर्भरता तीनों को एक साथ गति मिली है।

महिला उद्यमिता में 15 फीसदी की बढ़ोतरी

एमएसएमई मंत्री काश्यप ने बताया महिला उद्यमिता में भी पिछले दो वर्षों में 15 प्रतिशत से अधिक की बढ़ोतरी दर्ज की गई है। आंकड़ों के अनुसार वित्तीय वर्ष 2023-24 की अपेक्षा 2024-25 में पंजीकृत इकाइयों की संख्या में 124279 की वृद्धि हुई है। मध्य प्रदेश सरकार का लक्ष्य अब 2026 तक 25 लाख एमएसएमई इकाइयों का आंकड़ा पार करने का है, जिससे 5 लाख से अधिक नए रोजगार सृजित होने की संभावना है। उन्होंने कहा है कि मुख्यमंत्री डॉ. यादव के नेतृत्व में यह उपलब्धि केवल एक आंकड़ा नहीं है, बल्कि यह मध्य प्रदेश के प्रत्येक जिले में बढ़ती औद्योगिक आत्मनिर्भरता और उद्यमशीलता का दर्पण है। जहां एक ओर मेक इन इंडिया, वोकल फॉर लोकल, विकसित भारत 2047 और एक जिला, एक उत्पाद जैसी राष्ट्रीय पहलो को प्रदेश में प्रभावी रूप से लागू किया गया है, वहीं दूसरी ओर राज्य सरकार द्वारा लागू की गई नवीन एमएसएमई विकास नीति-2025 और स्टार्टअप नीति : 2025 ने उद्योगों को नई दिशा और गति दी है। उन्होंने कहा कि एमएसएमई विभाग इन प्रयासों को उच्चतम स्तर तक ने जाने के लिए सतत रूप से कार्यरत रहेगा, ताकि प्रदेश के उद्योग क्षेत्र में निवेश, नवाचार और रोजगार सृजन को और अधिक प्रोत्साहन मिले।

मध्य प्रदेश में अब बदलेगा मौसम का मिजाज, दिन में पड़ेगी धूप और रात में होगा गुलाबी ठंड का अहसास

भोपाल। मध्य प्रदेश में अब भारी बारिश का दौर खत्म हो गया है। हालांकि कुछ जिलों में अभी भी हल्की बूंदाबांदी हो रही है। लेकिन आने वाले दिनो में अब प्रदेश में दिन में तेज धूप खिलेगी और रात में गुलाबी ठंड का अहसास होने लगेगा। मौसम विभाग का अनुमान है कि 2 से 3 दिन में पूरे प्रदेश से मानसून की विदाई हो जायेगी। पूर्वी हिस्से में 3 दिन तक बूंदाबांदी के आसार जरूर है। बीते बुधवार को प्रदेश में कहीं भी बारिश नहीं हुई। मौसम विभाग के अनुसार, प्रदेश के 12 जिले ग्वालियर, श्योपुर, मुरैना, भिंड, दतिया, शिवपुरी, गुना, आगर-मालवा, नीमच, मंदसौर और रतलाम से मानसून पूरी तरह से विदा हो चुका है, जबकि राजगढ़ और अशोकनगर के कुछ हिस्से से लौटा है। अभी प्रदेश में बारिश होने का कोई सिस्टम एक्टिव नहीं है। इन वजहों से पूरे प्रदेश से मानसून के लौटने की परिस्थितियां अनुकूल हुई है। मौसम वैज्ञानिकों ने बताया कि अगले 3 दिन धूप-छाव और बूंदाबांदी वाला मौसम रहेगा। पूर्वी हिस्से के जिलों में कहीं-कहीं बूंदाबांदी हो सकती है। वहीं, भोपाल, इंदौर, उज्जैन, ग्वालियर में दिन में तेज धूप खिली रहेगी। प्रदेश के तापमान की बात करें तो कई शहरों में रात का पारा 18 डिग्री तक पहुंच गया है। जबकि दिन का तापमान 24 डिग्री के आसपास है। राजधानी भोपाल में रात का तापमान 19.6 डिग्री, उज्जैन में 19 डिग्री, ग्वालियर में 22.1 डिग्री और जबलपुर में 21 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। इस बार मानसूनी सीजन में गुना में सबसे ज्यादा पानी गिरा है। वहीं, शाजापुर, खरगोन, खंडवा, बड़वानी और धार सबसे कम बारिश दर्ज की गई।

मुख्यमंत्री आज करेंगे सम्राट विक्रमादित्य विश्वविद्यालय की नवीन नामपट्टिका का अनावरण

उज्जैन। मध्य प्रदेश के उज्जैन में मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव विक्रम विश्वविद्यालय के 69वे आधारशिला दिवस पर नवीन नामकरण पट्टिका सम्राट विक्रमादित्य विश्वविद्यालय,उज्जैन का अनावरण शुक्रवार प्रात- 11 बजे करेंगे। इस

अवसर पर विद्यार्थियों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी जाएगी। आयोजन विवि परिसर और स्वर्ण जयंती सभागार में प्रारंभ होकर सम्पन्न होंगे। कुलगुरु प्रो.अर्पण भारद्वाज ने बताया कि विक्रम विश्वविद्यालय के पूर्व छात्र और प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव अपनी मातृ शिक्षण संस्था के नवीन नाम की नामकरण पट्टिका का अनावरण करेंगे,यह बात इतिहास बन जाएगी। उल्लेखनीय है कि विश्वविद्यालय की आधारशिला वर्ष-1956 में कार्तिक कृष्ण चतुर्थी को रखी गई थी। उन्होने बताया कि अतिथियों द्वारा सम्राट विक्रमादित्य के मूर्ति शिल्प का अभिषेक तथा पूजन होगा। राष्ट्रीय छात्र सैनिकों द्वारा गार्ड ऑफ ऑनर दिया जाएगा। पश्चात अतिथियों द्वारा स्वर्ण जयंती सभागार में सरस्वती पूजन होकर कार्यक्रम प्रारंभ होगा। कार्यक्रम अंतर्गत सांस्कृतिक प्रस्तुतियां एवं पुस्तक विमोचन भी होगा। कार्यक्रम में विधायक अनिल जैन कालूखेड़ा,सांसद अनिल फिरोजिया, राज्यसभा सांसद बालयोगी उमेशनाथ महाराज,प्रभारी मंत्री गौतम टेटवाल,उच्च शिक्षा मंत्री इन्दर सिंह परमार के बाद मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का उद्बोधन होगा।